Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 30-08-2005

Participants : Majhi Shri Shankhlal

>

Title : Regarding damages caused due to soil erosion in Ambedkar Nagar, Uttar Pradesh.

श्री शंखलाल माझी (अकबरपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के अधिकतर पूर्वी जिले बाढ़ की चपेट में हैं। आजमगढ़ जिला में सेना तक को बुलाना पड़ा है। आजमगढ़ जिले के बॉर्डर पर अंबेडकर नगर का पूर्वी हिस्सा जहां तहसील तांडा के दुहिया, फूलपुर, न्योरहानी चौघुड़ा घाट पर भीाण कटाव हो रहा है। किसानों की बहुमूल्य खेती कट चुकी है और आबादी कटने की स्थिति में आ गई है। इससे गांवों के अस्तित्व को ही खतरा पैदा हो गया है। मैंने इस संबंध में 22.8.05 को अतारांकित प्रश्न संख्या 3821 किया था जिसके जवाब में बताया गया कि बाढ़ नियंत्रण राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में है। केन्द्र सरकार जहां पर नदियां एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में बहती हैं, और नदियों के द्वारा भीाण कटान से प्रलयंकारी बाढ़ की स्थिति पैदा होती है, यदि इस स्थिति में यह कह दिया जाए कि यह प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है तो मैं कहना चाहता हूं कि प्रदेश सरकार के सीमित संसाधन हैं और सीमित संसाधनों की बदौलत प्रदेश सरकार भीाण बाढ़ की रोकथाम का कार्य नहीं कर सकती है। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार यह कहकर कि बाढ़ राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में है, अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेगी तो उचित नहीं है। मेरी मांग है कि जो प्रलयंकारी बाढ़ वहां आई है और हर साल आती है, खास तौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाढ़ का तांडव हर साल होता है, उससे जो उपजाऊ भूमि का कटान हो रहा है, उसके लिए केन्द्र सरकार किसानों को मुआवज़ा देने की व्य वस्था करे और कटान की रोकथाम के लिए व्यवस्था करे।